Publication	Amar Bharti
Date	23rd September, 2015
Page No.	03
Edition	New Delhi

जेएसपीएल फाउंडेशन ने लांच किया राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान

नई दिल्ली। दशरथ मांझी का नाम आपने सुना होगा । 'माउंटेन मन' के नाम से मशहूर बिहार के गया जिले के गांव में रहने वाले मजदूर जिन्होंने केवल छेनी-हथौड़ा लेकर 22 सालों की कड़ी कोशिशों के बाद एक पहाड़ काट कर रास्ता बना दिया। आज दशरथ मांझी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी कहानी जिंदा है। दु:साहस और दृढ़ संकल्प का यह एक मशहूर उदाहरण है। हालांकि देश में और भी दशरथ मांझी हैं जिन्होंने अपने गांवों-शहरों में अपनी एक पहचान कायम की है और उनकी कहानियों से दुनिया अनजान है। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के जेएसपीएल फाउंडेशन ऐसे ही लोगों की कहानियों को प्रकाश में लाना चाहती है। ऐसे अदम्य साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन ने एक अभूतपूर्व पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान की इस वर्ष स्थापना की है।